IASBABA

One Stop Destination for UPSC/IAS Preparation

60 Days Week-5&6 Compilation

DELHI

5B, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi –110005. Landmark: Just 50m from Karol Bagh Metro Station, GATE No. 8 (Next to Croma Store)

Ph:0114167500

BANGALORE

#1737/37, MRCR Layout, Vijaynagar Service Road, Vijaynagar, Bangalore 560040. PH: 09035077800 / 7353277800

support@iasbaba.com

www.iasbaba.com

Q.1) निम्न में से कौन वायुमंडलीय खतरे हैं?

1. ऊष्णकटिबंधी चक्रवात
2. गरज के साथ वर्षा
3. हिमस्खलन
4. ओला-वृष्टि (Hailstorms)

नीचे से सही विकल्प चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1, 2 और 4
c) केवल 1, 2 और 3 '
d) उपरोक्त सभी

Q.1) Solution (d)

मौसम संबंधी कुछ घटनाओं से जुड़ी घटनाओं को वायुमंडलीय खतरों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। व्यक्तिगत खतरों में शामिल हैं: उष्णकटिबंधीय चक्रवात, गरज के साथ वर्षा, तूफान, बिजली की चमक, तूफान, ओलावृष्टि, हिमस्खलन, गंभीर शीतकालीन तूफान और अत्यधिक गर्मी का मौसम। सर्दियों की भयंकर आंधी से बर्फबारी हिमस्खलन का कारण बन सकती है।

Q.2) भारत के लिए राष्ट्रीय आपदा जोखिम सूचकांक किसके द्वारा तैयार किया जाता है?

1. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
2. गृह मंत्रालय
3. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)
4. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA)

नीचे से सही विकल्प चुनें:

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 4
d) केवल 2 और 4

Q.2) Solution (b)

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) के समर्थन से केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पहली बार भारत के लिए राष्ट्रीय आपदा जोखिम सूचकांक तैयार किया है। इसने 640 जिलों और UTs सहित सभी राज्यों में आर्थिक कमजोरियों सहित खतरों और कमजोरियों का मानचित्रण किया है । सूचकांक कारकों में जनसंख्या, कृषि और पशुधन तथा पर्यावरणीय जोखिम शामिल किया गया है।

Q.3) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सेंडाइ फ्रेमवर्क, ह्यूगो फ्रेमवर्क एक्शन (HFA) 2005-2015 के लिए उत्तराधिकारी उपकरण है
2. इसका उद्देश्य केवल प्राकृतिक आपदाओं को रोकना, कम करना और शमन करना है
3. सेंडाइ फ्रेमवर्क पहला अंतर्राष्ट्रीय, बाध्यकारी समझौता था, जो 2015 के बाद के विकास के एजेंडे के संदर्भ में अपनाया गया था।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2

c) केवल 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.3) Solution (a)

कथन 1 : सत्य	कथन 2 : असत्य	कथन 3 : असत्य
आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाइ फ्रेमवर्क 2015-2030 (इसके बाद "सेंडाइ फ्रेमवर्क") को 18 मार्च, 2015 (UNISDR 2015a) को सेंडई, जापान में तीसरे संयुक्त राष्ट्र विश्व सम्मेलन में अपनाया गया, जो ह्योगो फ्रेमवर्क फॉर एक्शन 2005-2015 के लिए उत्तराधिकारी है। ।	सेंडाइ फ्रेमवर्क प्राकृतिक और मानव जनित खतरों के साथ-साथ संबंधित पर्यावरणीय, तकनीकी और जैविक खतरों और जोखिमों के कारण छोटे पैमाने पर और बड़े पैमाने पर, लगातार और असतत, तीव्र और धीमी-शुरुआत आपदाओं के जोखिम पर लागू होगा। इसका उद्देश्य सभी क्षेत्रों में और साथ ही, सभी क्षेत्रों में विकास में आपदा जोखिम के बहु-खतरे प्रबंधन का मार्गदर्शन करना है।	यह एक गैर-बाध्यकारी समझौता है, जिसे भारत सहित हस्ताक्षरकर्ता राष्ट्र स्वैच्छिक आधार पर पालन करने का प्रयास करेंगे।

Q.4) राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (State disaster response fund) के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. केंद्र सरकार सामान्य श्रेणी के राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के लिए SDRF आवंटन का 50% और विशेष श्रेणी के राज्यों के लिए 90% का योगदान देती है।
2. राज्य सरकार SDRF के तहत उपलब्ध धन के 25 प्रतिशत तक का उपयोग तत्काल राहत प्रदान करने के लिए कर सकती है, जिसे वे राज्य में स्थानीय संदर्भ में 'आपदा' मानते हैं और जो आपदाओं की अधिसूचित सूची में शामिल नहीं हैं।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.4) Solution: (d)

आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 48 (1) (क) के तहत गठित राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ), अधिसूचित आपदाओं के प्रतिउत्तर के लिए राज्य सरकारों के पास उपलब्ध प्राथमिक निधि होती है। केंद्र सरकार सामान्य श्रेणी के राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के लिए एसडीआरएफ आवंटन का 75% और विशेष श्रेणी के राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों (उत्तर-पूर्वी राज्यों, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर) के लिए 90% का योगदान देती है।

स्थानीय आपदा: राज्य सरकार स्थानीय आपदाओं के शिकार लोगों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए एसडीआरएफ के तहत उपलब्ध धन का 10 प्रतिशत तक उपयोग कर सकती है, जिसे वे राज्य में स्थानीय संदर्भ में 'आपदा' मानते हैं और जो गृह मंत्रालय की आपदाओं की अधिसूचित सूची में शामिल नहीं हैं।

Q.5) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. SDRF के अंतर्गत आने वाली आपदाएँ चक्रवात, सूखा, भूकंप, आग, बाढ़, सुनामी, ओलावृष्टि, भूस्खलन, हिमस्खलन, बादल फटना, कीट का हमला, ठंढ और शीत लहरें हैं।
2. गृह मंत्रालय सभी अधिसूचित आपदाओं के लिए राहत गतिविधियों की निगरानी करता है

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.5) Solution (a)

SDRF के अंतर्गत आने वाली आपदा: चक्रवात, सूखा, भूकंप, आग, बाढ़, सुनामी, ओलावृष्टि, भूस्खलन, हिमस्खलन, बादल फटना, कीट का हमला, ठंढ और शीत लहरें।

कृषि मंत्रालय (MoA) के तहत कृषि और सहकारिता विभाग सूखे, ओलावृष्टि, कीटों के हमलों और शीत लहर / ठंढ से जुड़ी आपदाओं के लिए राहत गतिविधियों की निगरानी करता है जबकि शेष प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी गृह मंत्रालय द्वारा की जाती है।

Q.6) अग्रिम सूचित अनुबंध (Advance informed Agreement- AIA) प्रक्रिया किससे संबंधित है?

a) बेसल कन्वेंशन
b) कार्टाजेना प्रोटोकॉल
c) रॉटरडैम कन्वेंशन
d) नागोया प्रोटोकॉल

Q.6) Solution (b)

जैविक विविधता पर कन्वेंशन से संबंधित जैव-सुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल एक अंतरराष्ट्रीय संधि है जो आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी के परिणामस्वरूप एक देश से दूसरे देश में जीवित संशोधित जीवों (living modified organisms -LMOs) के संचरण को नियंत्रित करता है।

यह सुनिश्चित करने के लिए एक **अग्रिम सूचित समझौता (AIA)** प्रक्रिया स्थापित करता है कि देशों को इस तरह के जीवों के अपने क्षेत्र में आयात करने से पहले सूचित निर्णय लेने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की जाती है।

Q.7) पृथ्वी पहल के लिए विश्वास (Faith for Earth Initiative) किसके द्वारा आरंभ किया गया है?

a) IPCCC
b) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण
c) WHO
d) FAO

Q.7) Solution (b)

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण ने नवंबर 2017 में पृथ्वी पहल के लिए विश्वास (Faith for Earth Initiative) का शुभारंभ किया। पृथ्वी के लिए विश्वास का लक्ष्य रणनीतिक रूप से विश्वास-आधारित संगठनों के साथ

जुड़ना तथा उनके साथ सामूहिक रूप से सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करना और 2030 एजेंडा के उद्देश्यों को पूरा करना है।

पृथ्वी के लिए विश्वास के तीन मुख्य लक्ष्य हैं: आस्था संगठनों और उनके नेताओं को पर्यावरण की रक्षा के लिए वकालत करने और सशक्त बनाने के लिए, आस्थाओं पर आधारित संगठनों के निवेश और परिसंपत्तियों को एसडीजी के कार्यान्वयन में सहायता करने के लिए, तथा उन्हें अपने नेताओं को निर्णय लेने वालों और जनता के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने में सक्षम करने हेतु ज्ञान और नेटवर्क प्रदान करना।

Q.8) WEBINAR: कीटनाशक पंजीकरण टूलकिट किसके द्वारा बनाए रखा (maintained) जाता है?

a) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण
b) WHO
c) FAO
d) यूनेस्को

Q.8) Solution (c)

एफएओ कीटनाशक पंजीकरण टूलकिट कम और मध्यम आय वाले देशों में कीटनाशक पंजीकरण अधिकारियों के लिए एक निर्णय समर्थन प्रणाली है, जिसे कीटनाशकों के मूल्यांकन और प्राधिकरण में सहायता के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कई कीटनाशक-विशिष्ट सूचना स्रोतों जैसे कि अन्य देशों में पंजीकरण, वैज्ञानिक समीक्षा, खतरा वर्गीकरण, लेबल, एमआरएल और कीटनाशक गुण प्रदान करता है। कीटनाशक पंजीकरण टूलकिट के विभिन्न मॉड्यूल रॉटरडैम कन्वेंशन के कार्यान्वयन में शामिल अवयवों के लिए उपयोग किए जा सकते हैं, विशेष रूप से नामित राष्ट्रीय प्राधिकरण (डीएनए) द्वारा।

Q.9) औद्योगिक रसायन और कीटनाशक, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय खतरे बन गए हैं। इसके संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. रॉटरडैम कन्वेंशन में कीटनाशक और औद्योगिक रसायन शामिल होते हैं जिन्हें प्रतिबंधित या गंभीर रूप से सीमित किया गया होता है
2. रॉटरडैम कन्वेंशन रसायनों और कीटनाशकों के नियंत्रण के लिए कानूनी रूप से गैर-बाध्यकारी दायित्व है
3. पूर्व सूचित सहमति (PIC) रॉटरडैम कन्वेंशन से संबंधित है

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 1 और 3
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.9) Solution (c)

रॉटरडैम कन्वेंशन 10 सितंबर 1998 को प्लेनिपोटेंटियरीज के सम्मेलन, रॉटरडैम, नीदरलैंड में अपनाया गया था। कन्वेंशन 24 फरवरी 2004 को लागू हुआ था।

कन्वेंशन के उद्देश्य हैं:

- मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को संभावित नुकसान से बचाने के लिए कुछ खतरनाक रसायनों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में पार्टियों के बीच साझा उत्तरदायित्व और सहकारी प्रयासों को बढ़ावा देना;

- उन खतरनाक रसायनों के पर्यावरणीय ठोस उपयोग में योगदान करने के लिए, उनकी विशेषताओं के बारे में जानकारी के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करना, उनके आयात और निर्यात पर एक राष्ट्रीय निर्णय लेने की प्रक्रिया प्रदान करना और इन निर्णयों को पार्टियों को प्रसारित करना।

कन्वेंशन, पूर्व सूचित सहमति (PIC) प्रक्रिया के कार्यान्वयन के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी दायित्व बनाती है। यह PIC प्रक्रिया पर स्वैच्छिक बनाया गया था, 1989 में UNEP और FAO द्वारा आरंभ किया गया था तथा 24 फरवरी 2006 को समाप्त हो गया।

Q.10) जैविक विविधता के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस (International Day for Biological Diversity) कब मनाया जाता है?

a) 21 मई
b) 22 मई
c) 23 मई
d) 22 जून

Q.10) Solution (b)

संयुक्त राष्ट्र ने जैव विविधता के मुद्दों की समझ और जागरूकता बढ़ाने के लिए **22 मई को, जैविक विविधता के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस (IDB)** की घोषणा की है। जब पहली बार 1993 के अंत में संयुक्त राष्ट्र महासभा की दूसरी समिति द्वारा बनाई गई, 29 दिसंबर (जैविक विविधता के सम्मेलन के लागु होने की तारीख) को जैविक विविधता के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस नामित किया गया था।

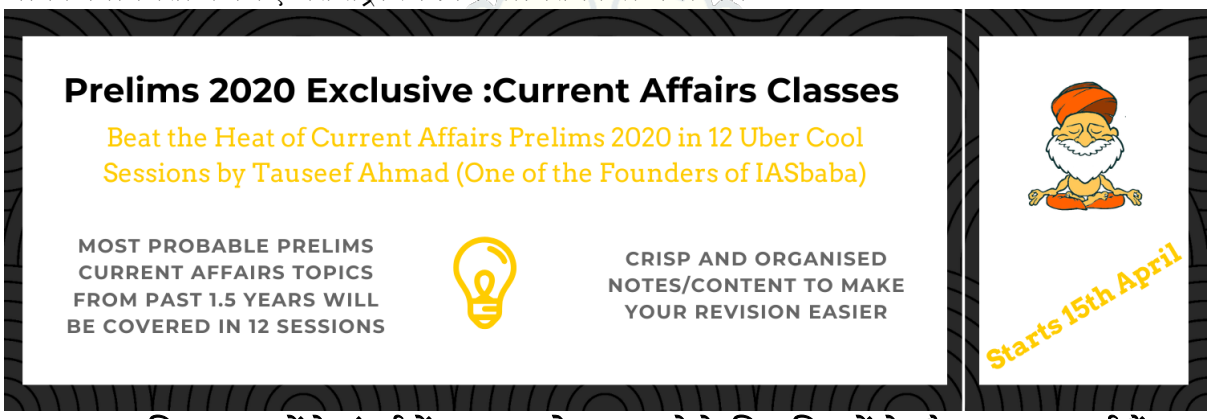

Q.11) सतत विकास लक्ष्यों के संदर्भ में, SDG'S को प्राप्त करने के लिए निम्न में से कौन सा महत्वपूर्ण हैं?

1. पशुपालन
2. विविध आहारों की हानि (The loss of diverse diets)
3. समुद्री संरक्षण
4. कृषि में स्वदेशी खाद्य फसलों का उपयोग

नीचे से सही विकल्प चुनें:

a) केवल 1 और 3
b) केवल 1, 3 और 4
c) केवल 2, 3 और 4
d) उपरोक्त सभी।

Q.11) Solution (b)

विभिन्न आहारों की हानि सीधे बीमारियों या स्वास्थ्य जोखिम कारकों, जैसे कि मधुमेह, मोटापा और कुपोषण से जुड़ी हुई है, तथा पारंपरिक दवाओं की उपलब्धता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार यह SDG'S को प्राप्त करने में बाधा है।

स्वदेशी फसलें जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने में सहायक होती हैं तथा अधिक पौष्टिक होती हैं जिससे खाद्य उत्पादन में वृद्धि होती है

पशुपालन और समुद्री संसाधन (मछली) एसडीजी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लाखों लोगों को आजीविका प्रदान करते हैं।

Q.12) जैव उपचार (Bioremediation) एक तकनीक है जिसका उपयोग प्रदूषण को सूक्ष्म जीवाणुओं के माध्यम से जैव निम्नीकरण करके साफ़ किया जाता है। निम्नलिखित में से कौन जैव उपचार की मुख्य विशेषताएं हैं?

1. यह लागत प्रभावी है। कोई निर्माण या अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की आवश्यकता नहीं होती है।
2. प्रयोग किया गया सूक्ष्म जीवाणु समूह (microbial consortia), संकीर्ण तापमान परास पर विकास को प्रदर्शित करता है
3. पानी में पोषक तत्व के स्तर को नियंत्रित करता है तथा इस प्रकार "सुपोषण" (Eutrophication) प्रक्रिया को नियंत्रित करने में मदद करता है।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 1 और 3
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.12) Solution (c)

जैव उपचार जीवित सूक्ष्मजीवों का उपयोग पर्यावरण के दूषित पदार्थों को कम विषाक्त रूपों में निम्नीकृत करने के लिए है। यह प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले बैक्टीरिया और कवक या पौधों का उपयोग मानव स्वास्थ्य और / या पर्यावरण के लिए खतरनाक पदार्थों को निम्नीकृत या गैर-विषाक्त करने के लिए करता है। सूक्ष्मजीव एक दूषित क्षेत्र के लिए देशीय हो सकते हैं या उन्हें अन्यत्र से अलग करके भी दूषित स्थल पर लाया जा सकता है।

मुख्य विशेषताएं:

- यह लागत प्रभावी है। कोई निर्माण या अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की आवश्यकता नहीं होती है।
- ये रोगाणु गंध को नियंत्रित करने, प्रदूषित पानी और ठोस पदार्थों को निम्नीकृत करने, बीओडी, तेल / ग्रीज़ संचय को कम करने में प्रभावी होते हैं।
- ये सूक्ष्म जीव समूह व्यापक तापमान परास में विकास का प्रदर्शन करते हैं
- ये जीव घुलित ऑक्सीजन का एक संतोषजनक स्तर बनाए रखते हैं तथा इसलिए एरेटर (aerators), जो उच्च शक्ति का उपभोग करते हैं, से बचा जा सकता है या इसके उपयोग को कम किया जा सकता है।
- पानी में पोषक तत्व के स्तर को नियंत्रित करते हैं तथा इस प्रकार "यूट्रोफिकेशन" प्रक्रिया को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं।

Q.13) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. स्वस्थाने जैव उपचार (In situ bioremediation) में स्थल पर ही संदूषण का उपचार शामिल होता है।
2. परस्थाने जैव उपचार (Ex situ bioremediation) के लिए दूषित पदार्थ को अन्य स्थान पर उपचार के लिए भौतिक निष्कर्षण शामिल होता है

उपरोक्त कथन में से कौन गलत है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.13) Solution (d)

कथन 1 : सत्य	कथन 2 : सत्य
स्वस्थाने जैव उपचार (In situ bioremediation) में स्थल पर ही संदूषण का उपचार शामिल होता है।मिट्टी के संदूषण के मामले में, स्वस्थाने जैव उपचार में खनिज पोषक तत्वों का समावेश होता है। ये पोषक तत्व मिट्टी में पहले से मौजूद सूक्ष्मजीवों की निम्नीकरण करने की क्षमता को बढ़ाते हैं।	परस्थाने जैव उपचार (Ex situ bioremediation) के लिए दूषित पदार्थ को अन्य स्थान पर उपचार के लिए भौतिक निष्कर्षण शामिल होता है। यदि केवल मिट्टी दूषित हैं, दूषित मिट्टी की खुदाई करके उपचार के लिए कहीं और ले जाया जा सकता है। यदि संदूषण भूजल तक पहुंच गया है, तो इसे पंप किया जाना चाहिए और किसी भी दूषित मिट्टी को भी अवश्य हटाया जाना चाहिए।

Q.14) निम्नलिखित युग्मों का मिलान करें:

विधि **विशेषताएँ**

1. सूक्ष्म जैविक उपचार (Microbial bioremediatio): सूक्ष्मजीवों को खाद्य स्रोत के रूप में उपयोग करके दूषित पदार्थों को निम्नीकृत करने के लिए उपयोग किया जाता है
2. जैवनिकासी (Bioventing): कीटनाशकों, हाइड्रोकार्बन और भारी धातुओं जैसे दूषित पदार्थों को निम्नीकृत करने के लिए कवक के पाचन एंजाइमों का उपयोग किया जाता है।
3. पादप उपचार (Phytoremediation): कीटनाशकों, पेट्रोलियम हाइड्रोकार्बन, धातुओं और क्लोरीनयुक्त सॉल्वैंट्स जैसे प्रदूषकों को बांधने, निकालने और साफ करने के लिए पादपों का उपयोग किया जाता है।
4. कवक उपचार (Mycoremediation): वायुमंडल से दूषित मिट्टी में वायु का प्रवाह किया जाता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही ढंग से सुमेलित है / है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 4
c) केवल 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.14) Solution (c)

सूक्ष्म जैविक उपचार	इसमें सुक्ष्मजीवों को खाद्य स्रोत के रूप में उपयोग करके दूषित पदार्थों को

(Microbial bioremediatio)	निम्नीकृत करने के लिए उपयोग किया जाता है।
जैवनिकासी (Bioventing)	इसमें वायुमंडल से दूषित मिट्टी में वायु प्रवाहित की जाती है। सबसे पहले, हवा आंतरिक सतहों तक प्रवाहित करने के लिए दूषित मिट्टी में एक गड्ढा खोदा जाना चाहिए।
पादप उपचार (Phytoremediation)	यह कीटनाशकों, पेट्रोलियम हाइड्रोकार्बन, धातुओं और क्लोरीनयुक्त सॉल्वैंट्स जैसे प्रदूषकों को बांधने, निकालने और साफ करने के लिए पादपों का उपयोग किया जाता है।
कवक उपचार (Mycoremediation)	यह कीटनाशकों, हाइड्रोकार्बन और भारी धातुओं जैसे दूषित पदार्थों को निम्नीकृत करने के लिए कवक के पाचन एंजाइमों का उपयोग किया जाता है।

Q.15) जलवायु समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अक्षय ऊर्जा की ओर बढ़ना महत्वपूर्ण है। इसके संदर्भ में, जैव ईंधन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. तीसरी पीढ़ी के जैव-ईंधन, जैव-ईंधन उत्पादन के लिए गैर-खाद्य फसलों का उपयोग करते हैं
2. बायोडीजल फसलों और उनके उप-उत्पादों के किण्वन से उत्पन्न होने वाला अल्कोहल होता है
3. बायोगैस अकार्बनिक पदार्थों के अवायवीय पाचन द्वारा निर्मित होती है
4. जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति लागू करने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है।

उपरोक्त कथन में से कौन गलत है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 1 2, और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.15) Solution (c)

जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति लागू करने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है।

पहली पीढ़ी के जैव ईंधन	यह किण्वन की पारंपरिक विधि द्वारा बायो डीजल के लिए इथेनॉल और आयल सीड बनाने के लिए गेहूं और चीनी जैसी खाद्य फसलों का उपयोग करता है।
दूसरी पीढ़ी के जैव ईंधन	यह गैर-खाद्य फसलों और फीडस्टॉक जैसे जटरोफा, लकड़ी, घास, बीज फसलों, जैविक कचरे का उपयोग करता है।
तीसरी पीढ़ी के जैव ईंधन	यह विशेष रूप से संसाधित शैवाल का उपयोग करता है जिसका जैव-भार, जैव ईंधन में परिवर्तित हो जाता है।
चौथी पीढ़ी के जैव ईंधन	इसका उद्देश्य न केवल टिकाऊ ऊर्जा का उत्पादन करना है बल्कि CO2 को संग्रहित करना और भंडारण करना भी है।

जैव इथेनॉल (Bio ethanol)	यह कार्बोहाइड्रेट तथा फसलों और अन्य पौधों और घास के सेल्युलोसिक सामग्री के किण्वन से उत्पन्न शराब है।

जैव डीज़ल (Bio Diesel)	यह पौधों और जानवरों से प्राप्त तेलों और वसा के ट्रांस एस्टरिफिकेशन द्वारा उत्पादित वसायुक्त अम्लों का एक मिथाइल या मिथाइल एस्टर होता है।
बायो गैस (Bio gas)	बायोगैस (मुख्य रूप से CO2 और N2 जैसी मीथेन और अन्य गैसों का मिश्रण) कार्बनिक पदार्थों के अवायवीय पाचन द्वारा निर्मित होता है
बायो जेट (Biojet)	यह एक प्रकार का जैव ईंधन है जो बायोमास संसाधनों से उत्पन्न होता है तथा इसका उपयोग वायु टरबाइन ईंधन के साथ किया जाता है या मिश्रित होता है।

Q.16) तटवर्ती पवन ऊर्जा पर अपतटीय पवन ऊर्जा के क्या लाभ हैं?

1. बड़ी परियोजनाओं की स्थापना और उच्च पवन गति के लिए अधिक से अधिक क्षेत्र
2. असंगत पवन की गति (consistent wind speed)
3. लोड केंद्रों के करीब (Close to load centers)

नीचे से सही विकल्प चुनें:

a) केवल 3
b) केवल 1 और 2
c) केवल 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.16) Solution (c)

अपतटीय पवन ऊर्जा जल निकायों में निर्मित पवनों का उपयोग है, आमतौर पर महाद्वीपीय शेल्फ पर समुद्र में, बिजली उत्पन्न करने के लिए पवन ऊर्जा के उपयोग द्वारा

तटीय पवन ऊर्जा पर अपतटीय पवन ऊर्जा के लाभ:

- बड़ी परियोजनाओं की स्थापना और उच्च पवन गति के कारण अधिक से अधिक बिजली उत्पादन के लिए प्रति क्षेत्र अधिक मात्रा में क्षमता स्थापित की गई।
- लगातार चलने वाली पवन: पवन टरबाइन उत्पादन क्षमता का प्रभावी उपयोग भूमि की तुलना में समुद्र में अधिक होगा।
- लोड केंद्रों के करीब: ऑफ-शोर पवन फार्म आमतौर पर शहरों और लोड केंद्रों के पास स्थित होते हैं, इसलिए ट्रांसमिशन हानि को कम किया जाता है।
- कम दृश्य प्रभाव: चूंकि ये साइटें भूमि से दूर स्थित होती हैं, इसलिए उनके पास दृश्य प्रभाव कम है जो सार्वजनिक स्वीकृति के मुद्दों के साथ मदद करती है।
- पर्यावरणीय प्रभाव: उत्पन्न होने वाली बिजली की प्रति यूनिट, ऑनशोर विंड फ़ार्म की तुलना में कम ग्लोबल वार्मिंग क्षमता रखती है।

Q.17) सतत कृषि एक अवधारणा है, जिसमें शामिल हैं:

1. प्रतिरूपी प्राकृतिक पारिस्थितिक प्रक्रियाएं
2. टिलिंग और पानी का उपयोग कम से कम करना
3. पशुचारण को कृषि खेती के साथ एकीकृत करना
4. एकल कृषि पर निर्भरता
5. जैव-नियंत्रण के लिए कीटनाशक के उपयोग और निर्भरता से बचना

नीचे से सही विकल्प चुनें:

a) केवल 1, 3 और 4
b) केवल 1, 2 और 4
c) केवल 1, 2, 3 और 5
d) उपरोक्त सभी

Q.17) Solution (c)

सतत कृषि की अवधारणा जैविक, फ्री-रेंज, कम-इनपुट, समग्र और जैव-रासायनिक सहित तकनीकों की एक विस्तृत श्रृंखला को वरीयता देती है।

इन विधियों में से एक सामान्य है, उन कृषि प्रथाओं को अपनाना जो प्राकृतिक पारिस्थितिक प्रक्रियाओं की नकल करती है। किसान टिलिंग और पानी के उपयोग को कम करते हैं, साल-दर-साल अलग-अलग फसलों के साथ खेतों की जुताई करके स्वस्थ मिट्टी को प्रोत्साहित करते हैं तथा पशुचारण के साथ फसल को एकीकृत करते हैं, और फसल को नष्ट करने वाले कीटों को नियंत्रित करने वाले जीवों की उपस्थिति का पोषण करके कीटनाशक के उपयोग से बचते हैं।
कृषि के लिए वर्तमान औद्योगिक दृष्टिकोण में शामिल है: एकल कृषि, मशीनीकरण, रासायनिक कीटनाशकों और उर्वरकों, जैव प्रौद्योगिकी आदि पर निर्भरता, जो धारणीय नहीं है

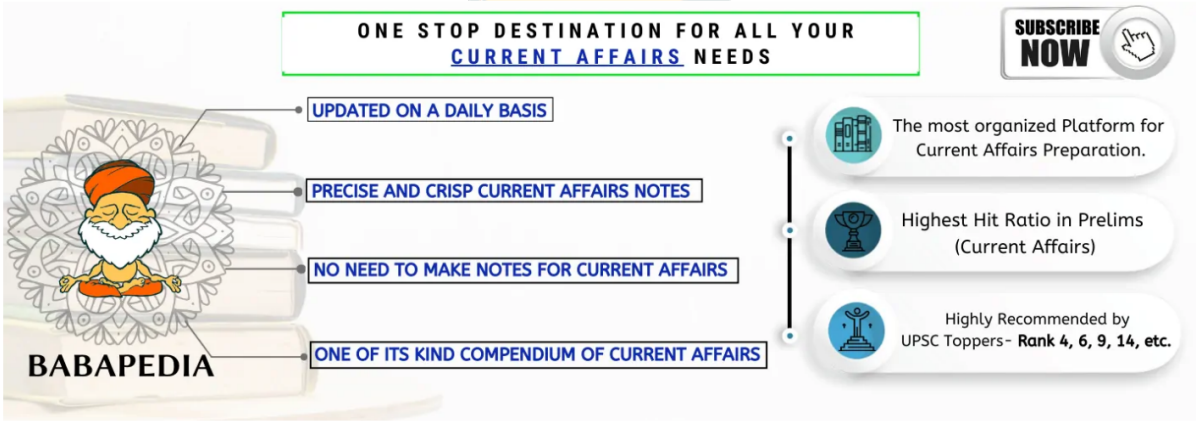

Q.18) क्षतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (CAMPA) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. NCAFMPA या CAMPA को क्षतिपूरक वनीकरण कोष अधिनियम 2016 के तहत बनाया गया है
2. यह राष्ट्रीय और राज्य क्षतिपूरक वनीकरण कोष स्थापित करता है
3. राष्ट्रीय कोष को 25% मिलेगा तथा राज्य कोष को इस फंड का शेष 75% प्राप्त होगा।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 1 और 3
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.18) Solution (b)

NCAFMPA को क्षतिपूरक वनीकरण कोष अधिनियम 2016 के तहत बनाया गया है।

इसने भारत के सार्वजनिक खाते और राज्यों के सार्वजनिक खातों के तहत राज्य क्षतिपूरक वनीकरण कोष के अंतर्गत राष्ट्रीय क्षतिपूरक वनीकरण कोष (NCAF) की स्थापना की।

राष्ट्रीय कोष को इन फंडों में से 10% प्राप्त होगा, और शेष 90% राज्य निधि प्राप्त करेंगे।

इन निधियों के लिए निम्न से भुगतान प्राप्त होगा: क्षतिपूरक वनीकरण, वन का शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी), अन्य परियोजना विशिष्ट भुगतान।

Q.19) भारत में कृषि उत्पादन में धीमी वृद्धि का कारण हैं:

1. फसलों के उपचार के बारे में जागरूकता की कमी
2. सिंचाई की निम्न सुविधा
3. रासायनिक उर्वरकों का उपयोग
4. आधुनिक कृषि तकनीक तक सीमित पहुंच

नीचे से सही विकल्प चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1, 2 और 4
c) केवल 1, 3 और 4
d) उपरोक्त सभी।

Q.19) Solution (b)

देश में प्रति हेक्टेयर चावल और अनाज की उपज कम है, चीन, जापान और अमेरिका जैसे देशों से बहुत पीछे है। भारत में कृषि उत्पादन की धीमी वृद्धि को एक अक्षम ग्रामीण परिवहन प्रणाली, फसलों के उपचार के बारे में जागरूकता की कमी, आधुनिक कृषि तकनीक तक सीमित पहुंच और शहरीकरण के कारण सिकुड़ती कृषि भूमि को उत्तरदायी ठहराया जा सकता है। इसके साथ ही, एक अनियमित मानसून और तथ्य यह है कि 63% कृषि भूमि वर्षा पर निर्भर है जो आगे चलकर हमारे सामने आने वाली कठिनाइयों को बढ़ाती है।

Q.20) जलवायु परिवर्तन का कृषि पर गहरा प्रभाव पड़ा है। उसमे समाविष्ट हैं:

1. फसल की वृद्धि और फसल की पैदावार में वृद्धि
2. कृषि उपज (agriculture yield) में कमी
3. वर्षण भिन्नता (rainfall variability) के कारण वर्षा आधारित कृषि मुख्य रूप से प्रभावित होगी

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.20) Solution (d)

उच्च CO2 स्तर फसल की पैदावार को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ प्रयोगशाला प्रयोगों से पता चलता है कि उच्च CO2 का स्तर पौधे के विकास को बढ़ा सकता है।

अधिक चरम तापमान और वर्षा फसलों को बढ़ने से रोक सकती है। चरम घटनाएं, विशेष रूप से बाढ़ और सूखे, फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और पैदावार कम कर सकती हैं।

तापमान में वृद्धि और जल उपलब्धता में परिवर्तन के कारण कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों में सिंचित फसल की पैदावार पर जलवायु परिवर्तन का नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। वर्षा परिवर्तन और वर्षा के दिनों की संख्या में कमी के कारण वर्षा आधारित कृषि मुख्य रूप से प्रभावित होगी।

Q.21) संयुक्त वन प्रबंधन (JFM) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह केंद्र सरकार और स्थानीय लोगों द्वारा वनों के संयुक्त प्रबंधन की एक प्रक्रिया की परिकल्पना करता है
2. गैर-लकड़ी वन उत्पादों (NWFP) की JFM प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका है, जो सतत संसाधन उपयोग और आर्थिक विकास की ओर अग्रसर हैं
3. JFM कार्यक्रम की शुरुआत 1988 की राष्ट्रीय वन नीति के संदर्भ में हुई थी

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.21) Solution (c)

वन राज्य का विषय है:

कथन 1 : असत्य	कथन 3 : सत्य	कथन 2 : सत्य
1988 की नीति में राज्य सरकारों (जो कि नाममात्र की जिम्मेदारी है) और स्थानीय लोगों द्वारा वनों के संयुक्त प्रबंधन की एक प्रक्रिया की परिकल्पना की गई है, जो संसाधन के प्रबंधन तथा इस प्रबंधन से होने वाले लाभों के लिए उत्तरदायित्व दोनों को साझा करेगी।	1988 की भारतीय वन नीति (MoEF, 1988) और उसके बाद के सरकारी संकल्प सहभागी वन प्रबंधन (एMoEF, 1990) प्राकृतिक वन प्रबंधन में लोगों की भागीदारी की आवश्यकता पर जोर देते हैं।	JFM प्रयासों में गैर-लकड़ी वन उत्पादों (NWFPs) की महत्वपूर्ण भूमिका है। संसाधनों की स्थिरता और उनसे प्राप्त लाभों के वितरण हेतु उनकी आर्थिक क्षमता की बढ़ती जागरूकता और बढ़ती चिंताओं के साथ, विभिन्न राज्य सरकारों ने कई एनडब्ल्यूएफपी का नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया है।

Q.22) एकीकृत बाघ आवास संरक्षण कार्यक्रम (ITHCP) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह 2014 में आरंभ किया गया है, ITHCP 2025 तक वन में बाघों की संख्या को दोगुना करने का एक वैश्विक प्रयास है
2. इसमें बाघों की प्रजातियों की रक्षा करना, बाघों के आवासों को संरक्षित करना तथा बाघों के भू-दृश्य में रहने वाली मानव आबादी का समर्थन करना शामिल है।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

Q.22) Solution (b)

2014 में आरंभ किया गया, एकीकृत बाघ आवास संरक्षण कार्यक्रम (ITHCP) या 'टाइगर प्रोग्राम' एक अनुदान देने वाली पहल है, जो ग्लोबल टाइगर रिकवरी प्रोग्राम (GTRP) में योगदान देता है, जो 2022 में वनों में बाघों की संख्या को दोगुना करने का एक वैश्विक प्रयास है। कार्यक्रम में बांग्लादेश, भूटान, भारत, इंडोनेशिया, नेपाल और म्यांमार के प्रमुख बाघ संरक्षण परिदृश्य में 12 बड़े पैमाने की परियोजनाओं का एक पोर्टफोलियो शामिल है।

टाइगर कार्यक्रम तीन स्तंभों पर आधारित है:

- बाघों की प्रजातियों का संरक्षण और उन्हें अवैध शिकार से बचाना;
- बाघों के आवासों को संरक्षित करना, जिनमें मुख्य निवास स्थान, बफर जोन और गलियारे शामिल हैं;
- बाघ भू-दृश्य में रहने वाली मानव आबादी का समर्थन करना।

Q.23) तराई का भू-दृश्य (Terai landscape) भारत के कुछ सबसे प्रसिद्ध टाइगर रिज़र्व और संरक्षित क्षेत्रों का स्थल है। पश्चिम से पूर्व की ओर निम्नलिखित को व्यवस्थित करें:

1. कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान
2. राजाजी राष्ट्रीय उद्यान
3. वाल्मीकि टाइगर रिजर्व
4. दुधवा टाइगर रिजर्व

नीचे से सही विकल्प चुनें:

a) 1-2-3-4
b) 2-1-4-3
c) 1-2-4-3
d) 3-2-1-4

Q.23) Solution (b)

Q.24) पारिस्थितिक तंत्र की लाल सूची (Red List of Ecosystems) के संबंध में, निम्नलिखित पर विचार करें:

1. यह IUCN का उपकरण है, यह स्थानीय मानकों, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर लागू पारिस्थितिक तंत्र की स्थिति का आकलन करने के लिए एक वैश्विक मानक को वर्गीकृत करता है।
2. केवल स्थलीय और समुद्री पारिस्थितिकी प्रणालियों के लिए लागू होता है
3. यह, यह भी प्रदर्शित करता है कि पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन कैसे जोखिमों को कम कर सकता है, लचीलापन बढ़ा सकता है तथा अनुकूलन के लिए एक साधन हो सकता है।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.24) Solution (b)

कथन 1 : सत्य	कथन 2 : असत्य	कथन 3 : सत्य
पारिस्थितिक तंत्र की रेड लिस्ट IUCN इकोसिस्टम मैनेजमेंट प्रोग्राम (CEM) और IUCN ग्लोबल स्पीसीज प्रोग्राम (GSP) के सहयोग से IUCN स्पीशीज सर्वाइवल कमिशन (SSC) और IUCN पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन कार्यक्रम (EMP) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित और कार्यान्वित की जाती है। ।	स्थलीय, समुद्री, ताज़े जल और भूमिगत प्रणाली के लिए लागू। स्थानीय और वैश्विक से लागू होता है, तथा बहुत छोटे से बहुत बड़े स्तर तक लागु होता है।	जलवायु परिवर्तन और आपदाओं के बढ़े हुए जोखिमों के साथ, हमें तत्काल पारिस्थितिकी तंत्र स्तर पर मानदंडों की आवश्यकता है ताकि न केवल उनके खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके, बल्कि यह भी प्रदर्शित किया जा सकता है कि कैसे बेहतर पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन जोखिमों को कम कर सकता है, लचीलापन बढ़ा सकता है और अनुकूलन के लिए एक साधन बन सकता है।

Q.25) 2020-पश्चात् वैश्विक जैव विविधता ढांचा (Post-2020 global biodiversity framework) किससे संबंधित है?

a) संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता शिखर सम्मेलन (UN Biodiversity Summit)
b) आईयूसीएन (IUCN)
c) पेरिस समझौता
d) बर्डलाइफ इंटरनेशनल

Q.25) Solution (a)

अक्टूबर 2020 में, कुनमिंग, चीन में संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता शिखर सम्मेलन में जैविक विविधता के पार्टियों के सम्मेलन (सीबीडी 15) में 2020 के बाद सरकारें वैश्विक जैव विविधता ढांचे को अपनाने के लिए एक साथ आएंगी।

प्रकृति और लोगों के लिए 2020 का यह सौदा 'प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने' की CBD 2050 दृष्टि को प्राप्त करने की दिशा में एक कदम है'। यह 2011-2020 की जैव विविधता के लिए रणनीतिक योजना को प्रतिस्थापित करेगी तथा सुधार करेगी, जो जैव विविधता में विनाशकारी गिरावट को रोकने में विफल रहा है।

Q.26) संरक्षित ग्रह (Protected Planet) किसकी एक परियोजना है?

1. IUCN
2. UNEP
3. UNCCD
4. UNFCCC

नीचे से सही विकल्प चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.26) Solution (a)

संरक्षित ग्रह (Protected Planet) IUCN और UNEP की संयुक्त परियोजना संरक्षित क्षेत्र पर विश्व डेटाबेस (WDPA) के लिए ऑनलाइन दृश्य इंटरफ़ेस है। यह डेटा पर आधारित स्थलीय और समुद्री संरक्षित क्षेत्रों पर सबसे व्यापक वैश्विक डेटाबेस है, जिसे 1981 से सरकारों और गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करने के लिए संकलित किया गया है। दृश्य इंटरफ़ेस संरक्षित क्षेत्रों पर सरकारी, विशेषज्ञ और आम जनता की राय को समेटता है।

Q.27) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. अंतरा-विशिष्ट विविधता (Intraspecific diversity) संख्या और विभिन्न प्रजातियों के प्रकार को संदर्भित करती है
2. अंतर-विशिष्ट विविधता (Interspecific diversity) एक ही प्रजाति के भीतर आनुवंशिक विविधता को संदर्भित करती है

उपरोक्त में से कौन सी जोड़ी सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.27) Solution (d)

जैव विविधता को दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है:

- अंतरा-विशिष्ट विविधता एक ही प्रजाति के भीतर आनुवंशिक विविधता को कवर करती है - जैसे चावल की विभिन्न उप-प्रजातियां, बासमती चावल, थाई जैस्मीन चावल, जापानी मोची चावल, सोना मसूरी, आदि।
- अंतर-विशिष्ट विविधता विभिन्न प्रजातियों की संख्या और प्रकार को संदर्भित करती है - जैसे आलू, गाजर, मिर्च आदि।

Q.28) फसल उत्पादन प्रणालियों में कृषि-जैव विविधता का संरक्षण महत्वपूर्ण है। उपरोक्त संदर्भ में, कृषि-जैव विविधता निम्नलिखित में सहायता करती है?

1. उत्पादकता, खाद्य सुरक्षा और आर्थिक प्रतिफल बढ़ाने में
2. कृषि प्रणालियों को अधिक स्थिर और सतत बनाने में
3. कीट और रोगों में वृद्धि के लिए योगदान करने में
4. पारिस्थितिकी तंत्र संरचना के संरक्षण और प्रजातियों की विविधता की स्थिरता में

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2, 3 और 3
c) केवल 1, 2 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.28) Solution (c)

कृषि-जैव विविधता विभिन्न तरीकों से मदद करती है जैसे:

- उत्पादकता, खाद्य सुरक्षा और आर्थिक प्रतिफल बढ़ाने में
- नाजुक क्षेत्रों, जंगलों और लुप्तप्राय प्रजातियों पर कृषि का दबाव कम करने में
- कृषि प्रणालियों को अधिक स्थिर और सतत बनाने में
- कीट और रोग प्रबंधन में योगदान करने में
- व्यक्तियों और राष्ट्रों में रोगों के प्रसार को कम करने में
- मानव पोषण में सुधार और दवाओं के स्रोत प्रदान करते हैं
- पारिस्थितिकी तंत्र संरचना का संरक्षण और प्रजातियों की विविधता की स्थिरता में

Q.29) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. जैव विविधता को बनाए रखने और उसकी सुरक्षा के लिए बीज बैंक बनाए जाते हैं
2. बीज बैंक मुख्य रूप से बीज किस्मों का चयन, संग्रह और भंडारण करते हैं।
3. बीज बैंक जैव विविधता संरक्षण के स्वस्थाने (In-Situ) रूप हैं

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.29) Solution (b)

एक बीज बैंक एक प्रकार का जीन बैंक है, जहां विभिन्न फसलों के बीज और दुर्लभ पौधों की प्रजातियों को भविष्य में उपयोग के लिए संग्रहित किया जाता है। बीज बैंक जैव विविधता को बनाए रखने और संरक्षित करने के लिए बनाए जाते हैं, जहां सभी प्रजातियों के नमूने एकत्र किए जाते हैं और संग्रहीत किए जाते हैं।

बीज बैंक संरक्षण के परस्थाने (Ex-Situ) रूप हैं

बीज बैंक मुख्य रूप से बीज किस्मों का चयन, संग्रह और भंडारण करते हैं। वे दुनिया भर के सरकारी संगठनों, गैर सरकारी संगठनों और सामुदायिक बीज बैंकों के साथ बीज विनिमय नेटवर्क भी बनाते हैं।

Q.30) वैश्विक वन्यजीव कार्यक्रम (Global Wildlife Program) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह वन्यजीव संरक्षण और वन्यजीव अपराध की रोकथाम का इरादा रखता है
2. इसे TRAFFIC ने आरंभ किया है

उपरोक्त में से कौन सा कथन गलत है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.30) Solution (b)

वैश्विक वन्यजीव कार्यक्रम (GWP) एक विश्व बैंक के नेतृत्व वाली, GEF- वित्त पोषित वैश्विक साझेदारी है, जो वन्यजीवों में अवैध तस्करी का मुकाबला करके वन्यजीव संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देती है। वैश्विक वन्यजीव कार्यक्रम (GWP) के द्वितीय चरण को वैश्विक पर्यावरण सुविधा (GEF) परिषद द्वारा जून 2019 में अनुमोदित किया गया था।

Q.31) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

	प्रजाति	राज्य
1.	हिम तेंदुआ	अरुणाचल प्रदेश
2.	ब्लैक पैंथर	उत्तराखंड
3.	एशियाई शेर	गुजरात
4.	इम्प्रेस्सेड कछुआ (Impressed Tortoise):	केरल

उपरोक्त में से कौन गलत तरीके से मेल खाते है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2 और 4
c) केवल 1 और 2
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.31) Solution (b)

भारत के वन्यजीव विभिन्न प्रकार के पशु जीवन प्रदान करते हैं तथा यह देश हजारों विभिन्न प्रजातियों के जंगली जीवों, सरीसृपों और पक्षियों का आवास है। भारतीय वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास और घने जंगल अद्वितीय, दुर्लभ, कुछ स्थानिक और जानवरों की लुप्तप्राय प्रजातियों को आश्रय प्रदान करते हैं

जीव	वास
एशियाई शेर	गिर वन राष्ट्रीय उद्यान, गुजरात
काला चीता (ब्लैक पैंथर)	कर्नाटक, महाराष्ट्र, असम के वन
हिम तेंदुआ	उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश के उच्च अक्षांश
धूमिल तेंदुए (Clouded Leopard)	सिक्किम, मणिपुर, नागालैंड, मिज़ोरम

आलसी भालू (Sloth Bear)	कर्नाटक
इम्प्रेस्सेड कछुआ (Impressed Tortoise)	अरुणाचल प्रदेश

Q.32) वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत, निम्नलिखित में से कौन सा संगठन स्थापित किया गया था?

1. केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण
2. राष्ट्र बाघ संरक्षण प्राधिकरण
3. राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड
4. भारतीय पशु कल्याण बोर्ड

नीचे से सही विकल्प चुनें:

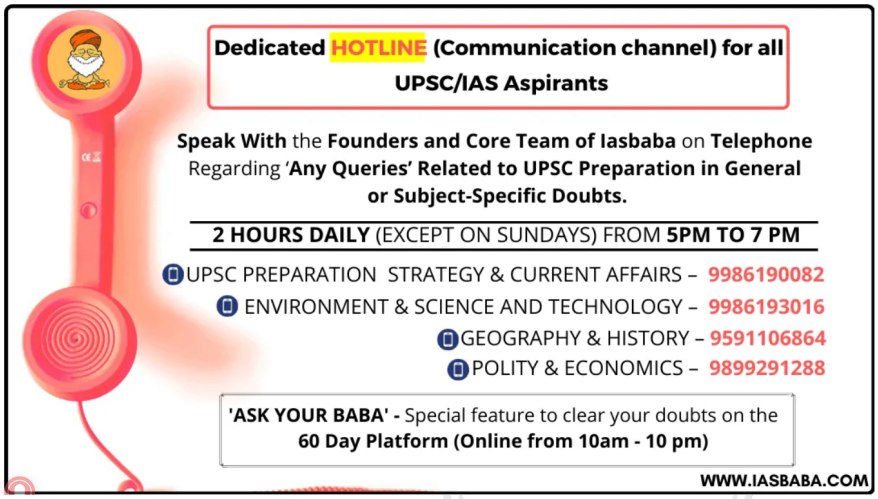

a) केवल 1 और 3
b) केवल 1, 2 और 3
c) केवल 2,3 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.32) Solution (b)

वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 भारत में वन्यजीव संरक्षण के संबंध में सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। यह जंगली जानवरों को पकड़ने, मारने, जहर देने या शिकार करने पर रोक लगाता है।
इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं: शिकार पर प्रतिबंध; वन्यजीव आवासों का संरक्षण और प्रबंधन; संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना; वन्यजीवों और चिड़ियाघरों के प्रबंधन से प्राप्त भागों और उत्पादों में व्यापार का विनियमन और नियंत्रण।

- भारतीय पशु कल्याण बोर्ड, पशु कल्याण कानूनों पर एक वैधानिक सलाहकारी निकाय है तथा देश में पशु कल्याण को बढ़ावा देता है। इसकी स्थापना 1962 में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 4 के तहत की गई थी।
- राष्ट्र बाघ संरक्षण प्राधिकरण, चिड़ियाघर प्राधिकरण और राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के दायरे में विभिन्न संशोधन के माध्यम से स्थापित किए गए हैं

Q.33) भारत में निम्नलिखित में से कौन सी आक्रमणकारी विदेशी प्रजातियाँ हैं?

1. पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस (Parthenium hysterophorus)
2. अकतिना फुलिका (Achatina fulica)
3. पपीता मीली बग (Papaya Mealy Bug)
4. अमेज़न सेलफ़िन कैटफ़िश (Amazon sailfin catfish)

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2 और 3
c) केवल 3 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.33) Solution (d)

जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (ZSI) ने पहली बार 157 विदेशी आक्रामक पशु प्रजातियों की सूची तैयार की है।

विदेशी प्रजातियां "आक्रामक" बन जाती हैं जब उन्हें जानबूझकर या गलती से अपने प्राकृतिक क्षेत्रों के बाहर प्रस्तुत किया जाता है जहां वे देशी प्रजातियों को विस्थापित करती हैं और पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़ देती हैं। ये आक्रामक पशु प्रजातियां क्षेत्र की जैव विविधता तथा मानव कल्याण और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करती हैं, कृषि और जैव विविधता को भी नुकसान पहुंचा सकती हैं।

- पार्थेनियम हिस्टीरोफोरस: आम तौर पर कांग्रेस घास के रूप में जानी जाती है, माना जाता है कि इसे उत्तरी अमेरिका से भारत और ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तुत किया गया था।
- अफ्रीकी सेब घोंघा (अकतिना फुलिका): भारत में सभी विदेशी जीवों में सबसे अधिक आक्रामक, इस मोलस्क को पहली बार अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में रिपोर्ट किया गया था। यह अब पूरे देश में पाया जाता है और कई देशी प्रजातियों के आवास को खतरा है।
- पपीता मेयली बग (**Paracoccus marginatus**): मेक्सिको और मध्य अमेरिका के मूल निवासी, यह माना जाता है कि उन्होंने असम, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में पपीते की बड़ी फसल को नष्ट कर दिया है।
- अमेज़न सेलफ़िन कैटफ़िश (Pterygoplichthys pardalis): यह प्रजाति कोलकाता की आद्रभूमियों में मछली की आबादी को नष्ट करने के लिए उत्तरदायी है।

Q.34) अभयारण्य गोवा में मंडोवी नदी के किनारे कोराओ द्वीप (chorao Island) में स्थित है। भारतीय विशालकाय गिलहरी (Indain Giant Squirral) को यहां देखा जा सकता है। उपर्युक्त अभयारण्य है?

a) मरसेस पक्षी अभयारण्य
b) सालिम अली पक्षी अभयारण्य
c) कुमारकोम पक्षी अभयारण्य

d) कौंडिन्य पक्षी अभयारण्य

Q.34) Solution (b)

सलीम अली पक्षी अभयारण्य गोवा में मंडोवी नदी के किनारे कोराओ द्वीप में स्थित स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की कई किस्मों का आवास है। सलीम अली पक्षी अभयारण्य भारत में सबसे प्रसिद्ध पक्षी अभयारण्यों में से एक है। यह सबसे छोटे पक्षी अभयारण्यों में से एक है जहां उड़ने वाली गौरैया, सुंदर मोर, तोते, पेलिकन, भारतीय विशाल गिलहरी और अन्य दुर्लभ प्रजाति के जीवों को देखा जा सकता है।

Q.35) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

वन्यजीव अभयारण्य : राज्य

1. कुमारकोम पक्षी अभयारण्य: केरल
2. रंगनाथिटु: आंध्र प्रदेश
3. सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान: मध्य प्रदेश
4. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उद्यान: तमिलनाडु

उपरोक्त में से कौन सा सही ढंग से सुमेलित है / है?

a) केवल 1
b) केवल 2 और 4
c) केवल 1 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.35) Solution (c)

संरक्षित क्षेत्र	राज्य
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उद्यान (अनामलाई टाइगर रिजर्व)	कोयंबटूर, तमिलनाडु
सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान	अलवर, राजस्थान
रंगनाथिटु पक्षी अभयारण्य	कर्नाटक
कुमारकोम पक्षी अभयारण्य	केरल

Q.36) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

राष्ट्रीय उद्यान : नदियाँ

1. मोलिंग (Mouling) राष्ट्रीय उद्यान: सियोम (Siyom)
2. ओरंग राष्ट्रीय उद्यान: लोहित
3. वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान: गंगा
4. पन्ना राष्ट्रीय उद्यान: केन

उपरोक्त में से कौन गलत तरीके से मेल खाते है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 4
c) केवल 2 और 3
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.36) Solution (c)

राष्ट्रीय उद्यान	नदियाँ
मोलिंग राष्ट्रीय उद्यान, अरुणाचल प्रदेश	सियोम
डिब्रु सैखोवा राष्ट्रीय उद्यान, असम	ब्रह्मपुत्र, लोहित, डिब्रु
ओरंग राष्ट्रीय उद्यान, असम	ब्रह्मपुत्र
वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान, बिहार	गंडक
पन्ना राष्ट्रीय उद्यान, म.प्र	केन
जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान, उत्तराखंड	रामगंगा
भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान	ब्राह्मणी और बैतरणी नदी डेल्टा

Q.37) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वन्यजीव अभयारण्य सरकारी स्वामित्व वाले हो सकते हैं या निजी नियंत्रण में हो सकते हैं
2. राष्ट्रीय उद्यान आरक्षित क्षेत्र होते हैं, सरकार के स्वामित्व में होते हैं
3. जैवमंडल रिजर्व अधिसूचित क्षेत्र होते हैं जो कई संरक्षित क्षेत्रों को कवर कर सकते हैं

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.37) Solution (d)

संरक्षित क्षेत्र	विशेषताएँ
वन्यजीव अभ्यारण्य	• यह प्राकृतिक क्षेत्र होता है जो विशेष प्रजातियों की सुरक्षा के लिए एक सरकारी या निजी एजेंसी द्वारा आरक्षित होता है • केवल पशुओं को संरक्षण दिया जाता है, निजी संपत्ति भी हो सकती है, बाहरी गतिविधियों की अनुमति होती है • इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (IUCN) ने इसे श्रेणी IV प्रकार के संरक्षित क्षेत्रों में परिभाषित किया है
राष्ट्रीय उद्यान	• भूमि का आरक्षित क्षेत्र, सरकार के स्वामित्व में • क्षेत्र मानव दोहन, औद्योगीकरण और प्रदूषण से सुरक्षित रहता है। • प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN), और संरक्षित क्षेत्रों पर विश्व आयोग ने इसे श्रेणी II के संरक्षित क्षेत्रों के रूप में परिभाषित किया है।

जैवमंडल रिज़र्व	• अधिसूचित क्षेत्र, जो भूमि के एक बड़े क्षेत्र को कवर करते हैं, जो कई राष्ट्रीय उद्यानों, अभयारण्यों और रिज़र्व को भी कवर कर सकते हैं। • तीन क्षेत्र: कोर, बफर और सीमांत। किसी भी बाहरी प्रजाति के संरक्षण और अनुसंधान उद्देश्य की अनुमति नहीं दी जाती है

Q.38) एटकिंसन सूचकांक (Atkinson Index), सामान्यीकृत रूप से एन्ट्रापी सूचकांक (Entropy Index)। यह शब्द किससे संबंधित हैं?

a) आय असमानता
b) जैव विविधता
c) संरक्षण के प्रयास
d) कृषि विविधता

Q.38) Solution (a)

1. एटकिंसन की असमानता माप (या एटकिंसन सूचकांक): यह असमानता का सबसे लोकप्रिय कल्याण-आधारित उपाय है। यह कुल आय का प्रतिशत प्रस्तुत करता है, जो किसी दिए गए समाज को अपने नागरिकों के बीच आय के अधिक समान साझाकरण रखने के लिए करना होगा।
2. थइल सूचकांक (Theil index) और जनरल एंट्रॉपी (GE) उपाय: जीई वर्ग के उपायों के मूल्य शून्य (पूर्ण समानता) और अनंत (या एक, यदि सामान्यीकृत) के बीच भिन्न होते हैं। इन उपायों की एक प्रमुख विशेषता यह है कि वे पूरी तरह से विश्लेषण करने योग्य होते हैं, अर्थात् असमान- यह जनसंख्या समूहों या आय स्रोतों में विभाजित हो सकता है या अन्य आयामों का उपयोग कर सकता है, जो नीति निर्माताओं के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं

Q.39) हाल ही में अपनाई गई यूरोपीय हरित डील (European Green Deal) के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. इसका उद्देश्य 2050 तक अपने सदस्य देशों के बीच शुद्ध कार्बन तटस्थता हासिल करना है
2. इसे मैड्रिड में कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (COP) 25 सम्मेलन के एक भाग के रूप में अपनाया गया था

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.39) Solution (a)

हाल ही में संपन्न सीओपी 25 में किसी भी समझौते पर पहुंचने के लिए वैश्विक समुदाय की विफलता की पृष्ठभूमि में, यूरोपीय संघ (ईयू) एक जलवायु कार्रवाई योजना के साथ आया है जिसे यूरोपीय ग्रीन डील के रूप में जाना जाता है। यह COP-25 का हिस्सा नहीं है। इसका उद्देश्य 2050 तक कार्बन तटस्थता प्राप्त करना है।

Q.40) प्रजातियों में से कौन से कारक विलुप्त होने के लिए उत्तरदायी हैं?

1. आवास स्थल में परिवर्तन
2. खराब प्रजनन प्रवृत्ति
3. विदेशी आक्रामक प्रजातियों का परिचय

4. भूमि उपयोग में परिवर्तन

नीचे से सही विकल्प चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3 और 4
c) केवल 1 और 4
d) उपरोक्त सभी।

Q.40) Solution (d)

विलुप्ति (Extinction) तब होती है जब पर्यावरणीय कारक या विकास संबंधी समस्याएं एक प्रजाति की मृत्यु का कारण बनती हैं। कुछ हद तक, विलुप्त होना स्वाभाविक है। निवास स्थान और खराब प्रजनन प्रवृत्तियों में परिवर्तन उन कारकों में से एक है जो किसी प्रजाति की मृत्यु दर को उसके जन्म दर से काफी लंबे समय तक बनाए रख सकते हैं।

मनुष्यों द्वारा शिकार, अत्यधिक कृषि दोहन, जंगलों में आक्रामक विदेशी प्रजातियों का परिचय, प्रदूषणकारी तथा आर्द्रभूमि और जंगलों का कृषि भूमि में परिवर्तन तथा शहरी क्षेत्रों में बदलने से अन्य प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं। यहां तक कि प्राकृतिक आवासों को नष्ट करके मानव आबादी का तेजी से विकास हो रहा है।

Copyright © by IASbaba
All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of IASbaba.